NEWS CLIPPING: 04.05.2021

PUNJAB KESARI

ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली देगी सही जानकारी

'वि.वि. ने हमेशा सामाजिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी'

■ ऑक्सीजन भरवाने के लिए इधर-उधर नहीं भागना पड़ेगा

फरीदाबाद,3 मई (सूरजमल): देशभर में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के दृष्टिगत ऑक्सीजन की भारी मांग ने कोरोना से पीड़ित मरीजों के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के महत्व को बढ़ा दिया है। सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में एक बार फिर से आगे आते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने जिला प्रशासन फरीदाबाद तथा अपने पूर्व छात्र संघ - वाईएमसीए मॉब के साथ मिलकर ऑक्सीजन के लिए संघर्ष कर रहे कोरोना संक्रमित रोगियों की मदद के लिए एक सार्थक पहल की है। विश्वविद्यालय जिला प्रशासन फरीदाबाद एवं वाईएमसीए मॉब के सहयोग से विश्वविद्यालय ने एक 'ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली' विकसित की है। इस प्रणाली के माध्यम से कोरोना संक्रमित ऐसे रोगी जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण करवाना होगा, जिसके लिए पंजीकरण लिंक (https://forms.gle/weYXvXuF7uVB87gw6) जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।

पंजीकरण के लिए रोगी को अपने आधार कार्डविवरण के साथ एसपीओ2 वेल्यू (ऑक्सीजन का स्तर) दर्ज करवानी होगी। इस पहल से कोरोना पीड़ित परिवार के सदस्यों को ऑक्सीजन सिलेंडर भरवाने के लिए इधर-उधर नहीं भागना पड़ेगा और न ही इसके लिए ल बी कतार में इंतजार करना होगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इस सार्थक पहल पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने हमेशा अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी है। विश्वविद्यालय कोविड केयर सेंटर के लिए हॉस्टल पहले ही जिला प्रशासन को दे चुका है, और अब ऑक्सीजन रिफिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करके विश्वविद्यालय का प्रयास ऐसे गंभीर कोरोना रोगियों की मदद करना है, जो सांस की तकलीफ से जूझ रहे है और सही समय पर ऑक्सीजन प्रदान करके उनके जीवन को बचाया जा सकता है। जिला प्रशासन की इस पहल को जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष प्रो.नीलम तुर्क की देखरेख में संकाय समन्वयक डॉ. रश्मि चावला और संगीता ढल्ल द्वारा संचालित किया जा रहा है। एसडीएम बल्लभगढ़ अपराजिता ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा कि यह फरीदाबाद जिले में घर पर आइसोलेटेड ऐसे रोगियों, जिन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता होती है, के लिए ऑक्सीजन के वितरण को सुव्यवस्थित करने का एक प्रयास है। पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने वाले ऐसे रोगियों के दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल के लिए सही ऑक्सीजन प्लांट की जानकारी प्रदान की जायेगी, जहां से वे निर्धारित शुल्क का भुगतान करके अपना ऑक्सीजन सिलेंडर भरवा सकेंगे। पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने के बाद जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के 30 छात्र स्वयंसेवकों की एक टीम, जिला प्रशासन तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी संबंधित रोगी से संपर्क करेंगे तथा उसे सही जानकारी एवं मार्गदर्शन करेंगे कि वह कहां से अपना ऑक्सीजन सिलेंडर भरवा सकता है। जिला प्रशासन की इस पहल में बीडीपीओ फरीदाबाद प्रदीप बाल्याण तथा वाईएमसीए मॉब से अनिल भारद्वाज, नवीन सूद और ए.के. नेहरा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

NEWS CLIPPING: 04.05.2021

PUNJAB KESARI

ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली' से मिलेगी सही जानकारी

- कोरोना पीड़ित परिवार को ऑक्सीजन सिलेंडर भरवाने के लिए नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर
- जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और फरीदाबाद प्रशासन की पहल

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी)। देशभर में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के दृष्टिगत ऑक्सीजन की भारी मांग ने कोरोना से पीड़ित मरीजों के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के महत्व को बढ़ा दिया है। सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में एक बार फिर से आगे आते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने जिला प्रशासन फरीदाबाद तथा अपने पूर्व छात्र संघ - वाईएमसीए मॉब के साथ मिलकर ऑक्सीजन के लिए संघर्ष कर रहे कोरोना संक्रमित रोगियों की मदद के लिए एक सार्थक पहल की है। विश्वविद्यालय जिला प्रशासन फरीदाबाद एवं वाईएमसीए मॉब के सहयोग से विश्वविद्यालय ने एक 'ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली' विकसित की है। इस प्रणाली के माध्यम से कोरोना संक्रमित ऐसे रोगी जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण करवाना होगा, जिसके लिए पंजीकरण लिंक (एचटीटीपीएस://एफओआरएमए स.जीएलइ/डब्लुइ वाइ एक्स वी एक्स यु एफ7यु वी बी 87जी डब्लु 6) जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। पंजीकरण के लिए रोगी को अपने आधार कार्ड विवरण के साथ एसपीओ2 वेल्यू (ऑक्सीजन का स्तर) दर्ज करवानी होगी। इस पहल से कोरोना पीड़ित परिवार के सदस्यों को ऑक्सीजन सिलेंडर भरवाने के लिए इधर-उधर नहीं भागना पड़ेगा और न ही इसके लिए लम्बी कतार में इंतजार करना होगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इस सार्थक पहल पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने हमेशा अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी है। विश्वविद्यालय कोविड़ केयर सेंटर के लिए हॉस्टल पहले ही जिला प्रशासन को दे चुका है, और अब ऑक्सीजन रिफिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करके विश्वविद्यालय का प्रयास ऐसे गंभीर कोरोना रोगियों की मदद करना है, जो सांस की तकलीफ से जूझ रहे है और सही समय पर ऑक्सीजन प्रदान करके उनके जीवन को बचाया जा सकता है। जिला प्रशासन की इस पहल को जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष प्रो.नीलम तुर्क की देखरेख में संकाय समन्वयक डॉ. रश्मि चावला और संगीता ढल्ल द्वारा संचालित किया जा रहा है। एसडीएम बल्लभगढ़ अपराजिता ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा कि यह फरीदाबाद जिले में घर पर आइसोलेटेड ऐसे रोगियों, जिन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता होती है, के लिए ऑक्सीजन के वितरण को सुव्यवस्थित करने का एक प्रयास है। पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने वाले ऐसे रोगियों के दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल के लिए सही ऑक्सीजन प्लांट की जानकारी प्रदान की जायेगी, जहां से वे निर्धारित शुल्क का भुगतान करके अपना ऑक्सीजन सिलेंडर भरवा सकेंगे। पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने के बाद जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के 30 छात्र स्वयंसेवकों की एक टीम, जिला प्रशासन तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी संबंधित रोगी से संपर्क करेंगे तथा उसे सही जानकारी एवं मार्गदर्शन करेंगे कि वह कहां से अपना ऑक्सीजन सिलेंडर भरवा सकता है। जिला प्रशासन की इस पहल में बीडीपीओ फरीदाबाद प्रदीप बाल्याण तथा वाईएमसीए मॉब से श्री अनिल भारद्वाज, श्री नवीन सूद और श्री ए.के. नेहरा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

पंजाब केसरी Tue, 04 May 2021
mpaper.punjabkesari.com/c/60220271

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 04.05.2021

DAINIK JAGRAN

आक्सीजन सिलेंडर भरवाने के लिए अब नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : कोरोना संक्रमण की वजह से आक्सीजन के लिए इधर-उधर भटक रहे संक्रमितों के स्वजन के लिए थोड़ी राहतभरी सूचना है। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने जिला प्रशासन तथा अपने पूर्व छात्र संघ वाईएमसीए माब के साथ मिलकर एक सार्थक पहल की है। अब आक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है। इसके माध्यम से कोरोना संक्रमित ऐसे रोगी जिन्हें आक्सीजन की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण करवाना होगा, जिसके लिए पंजीकरण लिंक (https://forms.gle/weYXvXuF7uVB87gw6) जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। पंजीकरण के लिए रोगी को अपने आधार कार्ड विवरण के साथ एसपीओ-2 वैल्यू (आक्सीजन का स्तर) दर्ज करवानी होगी। इससे कोरोना पीड़ित परिवार के सदस्यों को आक्सीजन सिलेंडर भरवाने के

जेसी. बोस विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन की पहल पर आक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली से मिलेगी सही जानकारी

लिए इधर-उधर नहीं भागना पड़ेगा और न ही इसके लिए लंबी कतार में इंतजार करना होगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि जेसी बोस विश्वविद्यालय ने उनका प्रयास ऐसे गंभीर कोरोना रोगियों की मदद करना है, जो सांस की तकलीफ से जूझ रहे है और सही समय पर आक्सीजन प्रदान करके उनके जीवन को बचाया जा सकता है। जेसी बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष प्रो.नीलम तुर्क की देखरेख में संकाय समन्वयक डा. रश्मि चावला और संगीता ढल्ल द्वारा इस व्यवस्था को संचालित किया जा रहा है।

ऐसे मिलेगी मदद: एसडीएम बल्लभगढ़ अपराजिता ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा कि यह जिले में घर पर आइसोलेटेड ऐसे रोगियों, जिन्हें आक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता होती है, के लिए आक्सीजन वितरण को सुव्यवस्थित करने का एक प्रयास है। पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने वाले ऐसे रोगियों के दस्तावेज की जांच के बाद उन्हें आक्सीजन सिलेंडर रिफिल के लिए सही आक्सीजन प्लांट की जानकारी दी जाएगी, जहां से वे निर्धारित शुल्क का भुगतान करके अपना आक्सीजन सिलेंडर भरवा सकेंगे। पंजीकरण लिंक पर पंजीकरण करवाने के बाद जेसी बोस विश्वविद्यालय के 30 छात्र स्वयंसेवकों की एक टीम, जिला प्रशासन तथा विवि के अधिकारी संबंधित रोगी से संपर्क करेंगे तथा उसे सही जानकारी एवं मार्गदर्शन करेंगे कि वह कहां से अपना आक्सीजन सिलेंडर भरवा सकता है। जिला प्रशासन की इस पहल में बीडीपीओ फरीदाबाद प्रदीप बाल्याण तथा वाईएमसीए माब से अनिल भारद्वाज, नवीन सूद और एके नेहरा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

NEWS CLIPPING: 04.05.2021

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस विवि व फरीदाबाद प्रशासन की पहल

ऑक्सीजन सिलेंडर भराने को नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर, ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रणाली से मिलेगी सही जानकारी

फरीदाबाद| इस समय ऑक्सीजन की भारी मांग के कारण मरीजों के परिवारों को धक्के खाने पड़ रहे हैं। इससे निपटने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय और जिला प्रशासन ने मिलकर एक सिस्टम तैयार किया है। इसके जरिए लोगों को सिलेंडर भराने के लिए धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। एप के जरिए उन्हें सही जानकारी मिल सकेगा। कुलपति डॉ. दिनेश कुमार के अनुसार विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन फरीदाबाद एवं वाईएमसीए माब के सहयोग से ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है। इसके माध्यम से कोरोना संक्रमित ऐसे रोगी जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए पंजीकरण लिंक (https://forms.gle/weYXvXuF7uVB87gw6) जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। पंजीकरण के लिए रोगी को अपने आधार कार्ड विवरण के साथ एसपीओ2 वेल्यू (ऑक्सीजन का स्तर) दर्ज कराना होगा। इस पहल से कोरोना पीड़ित परिवार के सदस्य को ऑक्सीजन सिलेंडर भराने के लिए इधर-उधर नहीं भागना पड़ेगा और न ही इसके लिए लंबी कतार में इंतजार करना होगा। इस पहल को जेसी बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग ने विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम तुर्क की देखरेख में संकाय समन्वयक डॉ. रश्मि चावला और संगीता दल्ल द्वारा संचालित किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING: 04.05.2021

NAVBHARAT TIMES

ऑनलाइन बताएं दिक्कत, तुरंत मिलेगी मदद

■ **वस, फरीदाबाद :** घर पर इलाज करा रहे कोरोना संक्रमित मरीजों को अगर ऑक्सिजन नहीं मिल पा रही तो उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। जिला प्रशासन ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के साथ मिल कर एक ऑक्सिजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की है। एनबीटी ने 3 मई को 'ऑक्सिजन के लिए भटकते रहे लोग, घुटती रहीं सांसें' शीर्षक के तहत खबर प्रकाशित की। जिसमें बताया कि किस तरह से सेंटर पर लोग भीड़ व लाइनों में खड़े हैं लेकिन उसके बावजूद उन्हें ऑक्सिजन नहीं मिल रही है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सोमवार को नई-व्यवस्था की है जिससे कोरोना संक्रमित ऐसे रोगी जिन्हें ऑक्सिजन की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण करवाना होगा, जिसके लिए पंजीकरण लिंक (https://forms.gle/weYXvXuF7uVB87gw6) जिला प्रशासन की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।

ऑक्सिजन मिलेगी

- जिला प्रशासन ने 'ऑक्सिजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली' बनाई
- **https://forms.gle/weYXvXuF7uVB87gw6** पर उपलब्ध करानी होगी मरीज की जानकारी
- कोरोना पीड़ित परिवार को ऑक्सिजन सिलिंडर भरवाने के लिए नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

टोल फ्री नंबर पर भी कर सकते हैं संपर्क : इसके अलावा लोग टोल फ्री नंबर 18008911008 पर संपर्क भी कर सकते हैं। जिला प्रशासन की इस पहल में बीडीपीओ फरीदाबाद प्रदीप बाल्याण और वाईएमसीए मॉब से अनिल भारद्वाज, नवीन सूद और ए.के. नेहरा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

पुलिस को ट्विटर पर दें जरूरतमंदों की सूचना

■ **स, फरीदाबाद :** कोरोना काल में लोगों की सुरक्षा के लिए सड़कों पर तैनात पुलिस अब जरूरतमंदों का पेट भी भरेगी। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने कहा कि शहर में लोगों की डिस्ट्रेस कॉल के लिए डीसीपी हेडक्वॉर्टर को नोडल ऑफिसर बनाया गया है। अगर किसी भी व्यक्ति को कोई जरूरत हो तो वह डायल 100 पर कॉल कर सकता है। उनके ट्विटर हैंडल **@dr_arpit_jain** पर जरूरतमंदों की सूचना दे सकते हैं। डीसीपी हेडक्वॉर्टर डॉ. अर्पित जैन ने बताया कि पुलिस अधिकारियों व कंट्रोल रूम में रोजाना दर्जनों डिस्ट्रेस कॉल आ रही हैं। ऐसे में खाने से लेकर दवाई व ऑक्सिजन तक से जुड़ी मदद की जा रही है। इसके लिए पुलिस कई एनजीओ व सामाजिक संगठनों से संपर्क में हैं।